अक्विला और प्रीस्किल्ला(प्रिस्किल्ला) ने नए अगुवों को विश्वसनीय बनाया।

जो बच्चों को पढ़ाए वह अध्याय एम 1 ब ज़रूर पढ़े

प्रार्थना: ''स्वर्गीय पिता, नए अगुवे बनाने में मेरी सहायता कर, यह अगुवे अध्यात्मिक उपदेश द्वारा लोगों की सेवा करें इन अगुवों की सहायता कर कि यह नए अगुवों का निर्माण करे ताकि तेरा राज्य पृथ्वी पर फैलता रहे.''

1. अपने हृदय को परमेश्वर के वचन से तैयार करके औरों को विश्वास में लाए

देखो कैसे अक्विला और प्रिस्किल्ला ने अपुल्लोस को अगुवा बनाया, (प्रेरितों 18:24-28)

- अक्विला और प्रिस्किल्ला ने अपुल्लोस को कब अगुवा बनाया, उसके विचारों प्रबोध सुनने से पहले या बाद में?
- अपुल्लोस के प्रबोध सुनने के बाद, अक्विल्ला और प्रिस्किल्ला ने उसे कहाँ अगुवा बनाया?
- उसके बाद अपुल्लोस ने क्या किया, जब अक्विला और प्रिस्किल्ला ने उसे अपने घर पर अगुवा बनाया? (देखो पद 27 एंव 28)
- अक्विला और प्रिस्किल्ला ने एक साथ, एक लय में एकजुट होकर यीशु की सेवा की आप किस तरह से विवाहित युगल को उसी तरह एकजुट होकर सेवारत होने में सहायता कर सकते हैं?

अगुवों को दो तरह से प्रशिक्षित करें:

1) दलों से उसी तरह बाते करे जैसे प्रभु यीशु भीड़ से बाते करते थे।
2) अगुवों को छोटे दल में बनाए जैसे प्रभु यीशु ने अपने चेलों को तैयार किया।

इन दोनो प्रशिक्षण तरीकों में तालमेल रखें।

- नए अगुवों और नई कलिसियाओं कि नवजात शिशु की तरह आवश्यक ज़रूरते होती है उन ज़रूरतों को पूरा करने के लिए इन्हें अनुभवी सहायक की आवश्यकता है।
- पुरानी कलिसियाओं और अनुभवी अगुवों को ज़्यादा ध्यान की आवश्यकता नहीं होती पौलुस ने ,प्रभु यीशु की तरह अपने प्रशिक्षणर्थियों को सिखाना छोड़ दिया जब वह बिना पौलुस की सहायता के सेवा करने लगे।
- जिनको ज़रूरत है उनकी कर्मशाला में प्रशिक्षण और अध्ययन करवाए, पर यह सब पर्याप्त नहीं है नए अगुवों की ज़रूरत पूरा करने के लिए उनको उसी तरह से प्रशिक्षित किजिए जैसे प्रभु यीशु और पौलुस ने अपने 2 अगुवों को प्रशिक्षित किया।

कैसे एक अगुवा दूसरे अगुवे को बना सकता है? निम्नलिखित सात नियमो का पालन करे:

- गुट को छोटा रखे। आप पर्याप्त समय दे प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी की सहायता करने के लिए।
- चरवाहे की निपुणता का अनुसरण करे। इस तरह कार्य करे जिसका अनुकरण सरल हो।
- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के वृत्तान्त को सुने प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी वर्णन दे कि अन्तिम भेट सभा के बाद उसने और उसके समूह ने क्या किए और उसके समूह कि क्या ज़रूरते हैं।
- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को कार्य सुनियोजित करने सहायता करें। लिखिए कि वह और उसका समूह कैसे

अपनी ज़रूरत पूरी करें। ''नए नियम'' के आधार पर कार्य बढ़ाए और निश्चित करे क्या कमियाँ और कमजोरियाँ है। नकारात्मक विवादों पर समय बर्बाद न करे। लक्ष्य बनाए कुछ नया करने का जिससे नई कलिसियाएँ बने।

- प्रशिक्षणार्थी से पूछे उन्होने क्या पढ़ा। उनसे पूछिए कि उन्होने दी हुई पाठ्य सामग्री से क्या सीखा?
- नई पाठ्य सामग्री दीजिए. ध्यानपूर्वक पाठ्यक्रम का चुनाव करे और प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को उसके ज़रूरत के हिसाब से पाठ्यक्रम दे। सारे प्रशिक्षणार्थी एक ही पाठ्य सामग्री न पढ़े।
- एक दूसरे के लिए प्रार्थना करे। मार्गदर्शन और हिम्मत के लिए प्रार्थना करे और उन लोगों के लिए जो आपके साथ सेवारत है।

बाईबल में कथित अगुवों की ''श्रृंखला'' (तीर दिखाते हैं किसने, किसको अगुवा बनाया)

यित्रो → मूसा, → इस्राएल के प्रधान, जिन्होंने इस्राएलियों की चरवाहों की तरह देखभाल की

मूसा → यहोशु, जिसने इस्राएलियों सैनिको को परमेश्वर द्वारा वांचित भूमि को कब्ज़े में लेने का निर्देश दिया

देबोरा → बाराक जिसने इस्राएलि सैनिकों को मार्ग दिखाकर मूर्तिपूजक कनानियों को हराया

एली → शमूएल → राजा शाऊल और राजा दाऊद

नातान → दाऊद सुलैमान → शीबा की रानी

एलिय्याह → एलीशा → राजा यहोशाह

दानिय्येल → नबूकदनेस्सर

मोर्दकै → एस्तेर

यीशु मसीह → उनके प्रेरित → नई कलीसियाओं के प्रमुख

फिलिप्प → इथियोपिया के पदाधिकारी

प्रिस्किल्ला और अक्विला → अपुल्लोस

पौलुस → तिमुथियुस → विश्वासी मनुष्य → अन्य लोग (2 तीमुथियुस 2:2)

2. अपने सहकर्मियो के संग सप्ताह भर के कार्य नियोजित करे

- अपने समूह के किसी विश्वासी को प्रशिक्षण देकर अगुवा बनने के लिए प्रेरित करें किसी प्रशिक्षिक को उनसे लगातार मिलने और उन्हे प्रशिक्षित करने का भार सौंपे।
- अगर किसी अन्य कलिसिया के भी अगुवों हो जिन्हे प्रशिक्षण की ज़रूरत हो, तो उन्हें भी प्रशिक्षण दे
- किसी विश्वासी या मित्र के पास जाए जिन्हे किसी निर्देष की आवश्यकता हो उनकी समस्या को सुने और उन्हे सेवा करने के लिए मौका दें

3. अपने सहकर्मियो के संग प्रार्थना का समय निर्धारित करे

वह कार्यक्रम चुने जो स्थानिय ज़रूरत और तौर तरीकों में उचित हो, और प्रार्थना करें नए अगुवों को स्थापित करने और ज़रूरतमन्दो की सहायता के लिए

मौखिक रूप और नाट्य रूप में बताए कैसे अक्विला और प्रिस्किल्ला ने अपुल्लोस को अगुवा बनाया. खण्ड 1 में पढ़ाए विषयो पर विचारविमर्श करें।

समझाए वैसे प्रशिक्षण के दोनों तरीकों (खण्ड 1 से) में तालमेल बनाए और बताऐं पवित्रशास्त्र बाईबल में किसने किसको प्रशिक्षित किया व्याख्या किजिए

पौलुस तीमुथियुस प्रशिक्षण श्रृखंला को।

- सबको खड़ा करके चार समूह में बाँटे और प्रत्येक समूह को अलग खड़ा करें प्रत्येक समूह को अलग नगर कहें
- किसी को 2 तीमुथियुस 2:2 पढ़ने के लिए कहें समझाए यह पद प्रकट करता है चार कड़ियों को जिनसे नई कलिसियों का पुनर्जन्म हुआ: 1) अन्ताकिया में पौलुस 2) इफिसुस नगर में तीमुथियुस 3) विश्वासी मनुष्य जिनमें से कुछ कुलुस्सियाँ में थे 4) अन्य मनुष्य जातियॉ जिनमें से कुछ लुदिकिया में रहते थे।

1. अन्ताकिया पौलुस और बरनबास ने सर्वप्रथम अन्ताकिया से परमेश्वर के वचन का प्रचार प्रारम्भ किया प्रथम समूह से किन्ही दो लोगों को कहें पवित्र बाईबल को दूसरे समूह के पास ले जाए जो कि इफिस्सुस है।
2. इफिस्सुस पौलुस तिमुथियुस को प्रशिक्षण देता है और उसे इफिस्सुस में परमेश्वर के वचन के प्रचार कार्य को छोड़ देता है।
3. कुलुस्से तिमुथियुस विश्वासी मनुष्यों को अगुवा बनाता है इफिस्सुस और क्लोज़ से अनेक आत्मिक प्रधान थे जिनसे प्रमुख थे इपफ्रास (कुलुस्सियों 1:1-8)
4. लुदिकिया इपफ्रास जो कि कुलुस्से से था, उसने अन्य जातियो को भी लुदिकिया में प्रशिक्षित किया (कुलुस्सियो 4:12-13)

मौखिक रूप या नाट्य रूप में बताए कैसे यित्रो ने मूसा को प्रशिक्षिण दिया (निर्गमन 18)

विश्वासियो ने जो प्रशिक्षण दिए है, उनका वृत्तान्त मांगे

बच्चो से कहिए कि वह कविताएँ और नाट्य, जो उन्होने तैयार किए है उन्हे प्रस्तुत करें।

कार्यक्रमों पर दो या तीन के समूह में विचार विमर्श करें।

बच्चो से नाट्य रूपान्तर में मंथन कराए एलिय्याह ने कैसे एलीशा को प्रशिक्षित किया। बच्चे वयस्कों से नाटक सम्बन्धित प्रश्न पूछ सकते हैं।

प्रभु भोज का परिचय, (पढ़ो रोमियो 16:3-5) और समझाओ कि अक्विला और प्रिस्किल्ला ने अपने घर रोम में, इफिसुस (1 कुरिन्थियों 16:19) और कुरिन्थि में कलिसिया संगठित करो। इससे हमें ज्ञात होता है कि विश्वासियों ने प्रभुभोज कहाँ मनाया। उन्होने रोटी के छोटे टुकड़े किए और प्रत्येक विश्वासी को दिए ताकि प्रत्येक दूसरे के करीब रहे।